<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

सरकारी विभाग व आईसीएआर के संस्थान भी किसान मेले में दे रहे हैं जानकारी

पंतनगर किसान मेले में उत्तराखण्ड सरकार के ऊधमसिंह नगर स्थित विभिन्न विभागों के स्टाल भी लगाये गये हैं, जिनमें तैनात कर्मचारी बड़ी तल्लीनता से किसानों को जानकारी प्रदान कर रहे हैं। ऊधमसिंह नगर के उद्यान विभाग के स्टाल पर अमरूद की करेला, गोल्डन, श्वेता, बर्फखाना, लखनऊ-४९ और ललित की प्रजातियों का प्रदर्शन किसानों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। कृषि विभाग के स्टाल पर खेती में उपयोग होने वाले मशीन एवं उपकरणों का प्रदर्शन किया गया है। रेशम विकास विभाग के स्टाल पर नियुक्त कर्मियों द्वारा बहुत रूचिपूर्वक किसानों को रेशम कीट पालन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। मत्स्य विभाग द्वारा स्थलीय मछली पालन के बारे में अपने स्टाल से जानकारी दी जा रही है। पशु पालन विभाग भी अपने स्टाल पर किसानों को आकर्षित कर रहा है। साथ ही उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का स्टाल फलों एवं सब्जियों के विभिन्न उत्पाद बनाने की जानकारी भ्रमण कर रहे लोगों को प्रदान कर रहा है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शोध केन्द्रों ने भी किसान मेले में अपने स्टाल लगाये हैं। केन्द्रीय शीत मत्स्यकी अनुसंधान केन्द्र, भीमताल, के स्टाल पर पर्वतीय क्षेत्रों में मछली उत्पादन की सम्पूर्ण जानकारी दी जा रही है। भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुक्तेश्वर, में छोटे पशुओं जैसे बकरी, भेड़ आदि में लगने वाले रोगों एवं पश्मीना व अंगोरा ऊन की जानकारी किसानों को दी जा रही है। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र में मक्का, टमाटर, फ्रैंचबीन, गेंहू, मटर, प्याज के साथ कृषि संबंधित पुस्तकों का प्रदर्शन लगाया गया है। वस्तुतः ये एवं ऐसे अन्य सरकारी संस्थाओं के स्टाल अपनी-अपनी जानकारियों से किसानों को उन्नत तकनीकें एवं विधियां देने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, जिससे वे कम खर्च में अधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकें।

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के स्टाल पर गेहूं, मूंग, उर्द और धान के अधिक उत्पादक बीजों के प्रदर्शन के साथ प्राकृतिक रूप से तैयार सिरका और मेंथॉल का प्रदर्शन किया गया है। इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, जंजगीर, छत्तीसगढ़, में केले के पौधे से बने रेशे, कपड़ा और जैकेट एवं अन्य उत्पाद किसानों को आकर्षित कर रहे हैं।

पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों के स्टालों पर जानकारी प्राप्त करते किसान।